

अक्षरों का महत्व

गुणाकर मुले



मुख्य बिंदु

पुराने ज़माने में लोग मानते थे ईश्वर ने अक्षर बनाए हैं परंतु अक्षरों की खोज मानव ने की है।

धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है और मनुष्य ने पाँच लाख साल पहले जन्म लिया।

अक्षरों की शुरुआत लगभग छह हजार साल पहले ही हुई है।

आदि मानव अक्षरों से पहले चित्र संकेत फिर भाव संकेतों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करता था।

अक्षरों से पहले के समय को प्रगैतिहासिक काल कहा जाता था।

अक्षरों की खोज के बाद ही मनुष्य सभ्य बना और उसका इतिहास मिलना शुरू हुआ।

पाठ का सार

‘अक्षरों का महत्व’ पाठ गुणाकर मूले द्वारा लिखा गया है। आज अक्षर ज्ञान के बिना मनुष्य की कल्पना भी संभव नहीं है। अक्षरों की खोज के विषय में अनेक मत हैं। कुछ लोग अक्षरों को ईश्वर की देन मानते हैं। परंतु अब हम सभी को मालूम है कि अक्षरों की खोज ईश्वर ने नहीं बल्कि मनुष्य ने की है। यह धरती 5 अरब वर्ष पुरानी है। 2—3 अरब वर्ष तक इस धरती पर सिर्फ वनस्पतियाँ ही थीं। लगभग 5 लाख वर्ष पूर्व मनुष्य ने जन्म लिया और सिर्फ 6 हजार साल पहले ही अक्षरों की खोज हुई है। प्रागैतिहासिक काल में मनुष्य चित्र संकेतों के माध्यम से और फिर भाव संकेतों के माध्यम से मनुष्य अपने संदेश दूसरों तक पहुँचाता था। अक्षरों की खोज के साथ ही मनुष्य का विकास प्रारंभ हुआ। वह लिखकर रखने लगा, उसका इतिहास मिलने लगा और मनुष्य सभ्य होने लगा।